।।अर्हम् ।।

आचार्यश्री महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति, श्रीडूँगरगढ़ (बीकानेर)

दूरभाश : 01565 –224600, 224900

गंगा-ाहर चौखले की जोरदार अर्ज पर हुई मर्जी

2011-12 में गंगा-ाहर पधारेंगे आचार्य महाप्रज्ञ

अर्ज में उमड़ा पूरा बीकानेर संभाग

-तुलसीराम चौरड़िया (मीडिया संयोजक)-

श्रीडूँगरगढ़ 3 जनवरी : गंगा-ाहर, बीकानेर चौखले की जोरदार अर्ज पर करुणासागर आचार्य महाप्रज्ञ ने मर्जी करते हुए 2011 में लाडनूं स्थित जैन वि-व भारती के चातुर्मास की सम्पन्नता के बाद 2012 के छापर चातुर्मास से पहले के समय में गंगा-ाहर आने की घोशणा की। पूरे बीकानेर संभाग से हजारों की तादाद में उमड़ी भीड़ की मनोकामना को पूर्ण करते हुए आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि आचार्य तुलसी :ाक्तिपीठ और मातुश्री साध्वी बालुजी की स्वर्ग भूमि के साथ वहां के लोगों की श्रद्धा भक्ति के कारण धर्मसंघ का बहुत बड़ा आकर्शण का केन्द्र है। गंगा-ाहर की भूमि पर ही मातुश्री साध्वी बालु जी के लिए चैत्य पुरुश जग जाये' गीत का निर्माण हुआ था जो आज सबके लिए मंत्र बना हुआ है। आचार्य महाप्रज्ञ ने आचार्य तुलसी जन्म :ताब्दी वर्श तक निर्मित होने वाले अन्तर्राश्ट्रीय प्रज्ञा पीठ की परिकल्पना प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज ऐसे केन्द्र की जरुरत है, जहां आदमी को बदलने का प्रि-िक्षण मिल सके । क्रोध, अहंकार, आवे-ा, आवे-ा आदि के मनोभावों का परिश्कार करने वाला केन्द्र :ाक्ति पीठ बने इस ओर ध्यान देने की जरुरत है। आचार्य तुलसी :ाक्ति पीठ का ऐसा विकास होना चाहिए कि सम्पूर्ण वि-व के लोग :ाांति एवं जीवन निर्माण के लिए वहां पर आये ।

आचार्य महाप्रज्ञ ने कहा कि हमारे प्रवास को 150 कि.मी. मे ंसीमित करते समय गंगा-ाहर क्षेत्र हमारे चिंतन में था। यह चौखला तेरापंथ का बड़ा कार्य क्षेत्र है। इस क्षेत्र में बड़ा कार्य होना चाहिए इसकी पूरी योजना हमारे चिंतन में है।

युवाचार्य महाश्रमण ने कहा कि जीवन में गुरु का महत्व सबसे ज्यादा होता है। सांसारिक प्राणी के लिए मां का महत्व सबसे ज्यादा होता है। गंगा-ाहर में आचार्य महाप्रज्ञ की संसार पक्षीय मातुश्री साध्वी बालुजी की समाधी एवं गुरु आचार्य तुलसी की समाधी भी वहां है। इसलिए गंगा-ाहर का स्थान मुख्य है। उन्होनें कहा कि गंगा-ाहर उन क्षेत्रों में हैं जहां से अर्ज करने की भी जरुरत नहीं है। गंगा-ाहर के लिए कभी भी पधारने की घोशणा की जा सकती है।

कार्यक्रम में मुनि राजकरण, :ाासनश्री मुनि पूर्णानन्द, :ाासन सेवी मुनि बालचंद के नेतृत्व में चौखले के सभी संतो ने अपने भावों की प्रस्तुति दी। समणी नियोजिका, समणी मधुर प्रज्ञा आदि समणीगण ने ''थाने :ाक्ति पीठ बुलावे'' गीत को स्वर दिया। गंगा-ाहर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष दुलीचंद चौपड़ा, टोडरमल ललवाणी, :ाांति प्रतिश्ठान के अध्यक्ष सुमेरमल दफ्तरी, अर्ज यात्रा के व्यवस्था प्रभारी हंसराज डागा, नोखा सभा के अध्यक्ष प्रेमसुख मरोठी, धनराज पुगलिया, टीकमचंद ललवाणी, मूलचंद बोथरा ने गंगा-ाहर बीकानेर संभाग में पधारने की अर्ज की। पत्रकार लूणकरण छाजेड़ ने कार्यक्रम का संचालन किया।

क्रम-ः 2

बरसात भी नहीं रोक पाई गंगाणे के भक्तों को

आज देर रात्रि से बरस रहे बादल भी गंगाणे के चौखले से बड़ी संख्या में आये भक्तों के उत्साह को रोक नहीं पाये। रिमझिम के बीच हजारों लोगों ने जुलुस के साथ तेरापंथ भवन पहुंचकर अर्ज की। जुलुस में गंगा-ाहर, बीकानेर चौखले में पधारने के लिए नारे लगाते चल रहे वृद्ध, बच्चों एवं युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। इतनी भारी भीड़ और लंबे जुलूस को देखने के लिए लोग घरों की छतों पर खड़े थे। ताल मैदान से तेरापंथ भवन तक का मार्ग लोगों से आकीर्ण नजर आ रहा था।

डूँगरगढ़ भी जुड़ा चौखले के साथ

स्थानीय तेरापंथ भवन के प्रज्ञासमवसरण में जैसे ही गंगा-ाहर बीकानेर के चौखले से अर्ज प्रारंभ हुई तो आचार्य महाप्रज्ञ प्रवास व्यवस्था समिति के महामंत्री भीकमचंद पुगलिया ने घोशणा की कि इस अर्ज के साथ श्रीडूँगरगढ़ का संपूर्ण श्रावक समाज भी साथ है । उन्होनें श्रीडूँगरगढ़ को इस चौखले का हिस्सा बताया तो संयोजक लूणकरण छाजेड़ ने श्रीडूँगरगढ़ को चौखले का प्रवे-ा द्वार बताया। इस मौके पर तेरापंथ सभा के उपाध्यक्ष धनराज पुगलिया ने श्रीडूँगरगढ़ की तरफ से गंगा-ाहर चौखले में पधारने की अर्ज की।

सादर प्रका-ानार्थ : -

श्री प्रमोद जी घोड़ावत
सम्पादक, तेरापंथ टाईम्स
नई दिल्ली

तुलसीराम चौरड़िया
मीडिया संयोजक/सहसंयोजक